भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 4115
दिनांक 17 मार्च, 2026 के लिए प्रश्न

गायों और गोवंश का संरक्षण

4115. श्री मनसुखभाई धनजीभाई वसावाः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में गायों और गोवंश के संरक्षण के लिए वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस प्रयोजनार्थ आवंटित, जारी की गई और उपयोग की गई निधि वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी है; और

(ग) ऐसी आवंटन योजनाओं के माध्यम से गायों और गोवंश के संरक्षण में सरकार द्वारा क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ग) राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को अनुपूरित करने के उद्देश्य से, भारत सरकार का पशुपालन और डेयरी विभाग दिसंबर 2014 से देशी नस्लों के विकास और संरक्षण और दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' कार्यान्वित कर रही है, जिससे दूध उत्पादन किसानों के लिए और अधिक लाभकारी बन सके। देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत उठाए गए कदम और प्राप्त उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :

(i) राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशी नस्लों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के सीमन के साथ AI कवरेज को बढ़ाना और किसानों के द्वारा पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएँ उपलब्ध कराना है। अब तक की स्थिति के अनुसार, इस कार्यक्रम के अंतर्गत पूरे देश में 9.67 करोड़ पशुओं को कवर किया गया है, 15.29 करोड़ कृत्रिम गर्भाधान किए गए हैं और 5.74 करोड़ किसान लाभान्वित हुए हैं।
(ii) सेक्स सॉर्टेड सीमन: 90% तक सटीकता के साथ केवल बछड़ियां पैदा करने के लिए देश में सेक्स सॉर्टेड सीमन का उत्पादन शुरू किया गया है। सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग एक गेम चेंजर साबित हो रहा है, क्योंकि यह न केवल दूध उत्पादन को बढ़ा रहा है, बल्कि आवारा गोपशुओं की संख्या को नियंत्रित करने में भी मदद कर रहा है। भारत में पहली बार, 'राष्ट्रीय गोकुल मिशन' के अंतर्गत स्थापित सुविधाओं ने देशी गोपशु नस्लों के सेक्स सॉर्टेड सीमन का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। ये सुविधाएँ गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में स्थित पाँच सरकारी सीमन केंद्रों पर स्थापित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, तीन निजी सीमन केंद्र भी सेक्स सॉर्टेड सीमन की खुराक के उत्पादन में योगदान दे रहे हैं। अब तक, देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाले सांडों का उपयोग करके 1.35 करोड़ सेक्स सॉर्टेड सीमन की खुराकें तैयार की जा चुकी हैं।

सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम: इस कार्यक्रम के अंतर्गत, देशी नस्लों के सेक्स सॉर्टेड सीमन को बढ़ावा दिया जाता है। इस घटक के अंतर्गत, पशुओं के सुनिश्चित गर्भधारण पर किसानों को सेक्स सॉर्टेड सीमन की लागत का 50% तक प्रोत्साहन राशि के रूप में उपलब्ध कराया जाता है।

देशी रूप से विकसित सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन तकनीक का शुभारंभ: देशी रूप से विकसित सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन तकनीक का शुभारंभ किया गया है। इस तकनीक की मदद से, सेक्स सॉर्टेड सीमन की कीमत 800 रुपये से घटकर 250 रुपये प्रति खुराक हो गई है। यह तकनीक हमारे किसानों के लिए एक 'गेम चेंजर' साबित हुई है, क्योंकि अब सेक्स सॉर्टेड सीमन उचित दरों पर उपलब्ध है। देश में देशी मादा गोपशुओं की संख्या बढ़ाने में देशी सेक्स सॉर्टेड सीमन उत्पादन तकनीक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

(iii) ग्रामीण भारत में बहु-उद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (MAITRI): किसानों के द्वार पर ही गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएँ प्रदान करने के लिए MAITRI को प्रशिक्षित और सुसज्जित किया गया है। अब तक, पूरे देश में 42,096 MAITRI प्रशिक्षित करके शामिल किया जा चुका है।

(iv) इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन (IVF) तकनीक का कार्यान्वयन: देश में पहली बार, देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए बोवाइन IVF तकनीक को बढ़ावा दिया गया है।

भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने देश में देशी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए 24 IVF प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं। इन प्रयोगशालाओं से 28,579 व्यवहार्य भ्रूण उत्पादित किए गए हैं, जिनमें से 16,210 भ्रूणों को स्थानांतरित किया गया है और 2,612 बछड़े-बछड़ियों का जन्म हुआ है।

किसानों के द्वार तक तकनीक पहुँचाने के लिए IVF तकनीक का इस्तेमाल करके एक त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस घटक के अंतर्गत पशुओं के हर सुनिश्चित गर्भधारण पर किसानों को 5000 रुपये का प्रोत्साहन दिया जाता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत देशी नस्लों के विकास को बढ़ावा दिया जाता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत अब तक 7957 भ्रूण स्थानांतरित किए गए हैं, 1588 गर्भधारण हुए हैं और 1068 बछड़ियों सहित 1149 बछड़े-बछड़ियों का जन्म हुआ है।

देशी कल्चर मीडिया की शुरुआत: देश में IVF तकनीक को और बढ़ावा देने के लिए, इन-विट्रो फर्टिलाइज़ेशन (IVF) हेतु देशी मीडिया लॉन्च किया गया है। यह देशी मीडिया, महंगे आयातित मीडिया का एक किफायती विकल्प प्रदान करता है। इस मीडिया के उपयोग से, भ्रूण उत्पादन की लागत 5000 रुपये से घटकर 2000 रुपये प्रति भ्रूण हो गई है।

(v) संतति परीक्षण और वंशावली चयन कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन करना है। गोपशुओं की गिर और साहीवाल नस्लों, तथा भैंसों की मुर्रा और मेहसाणा नस्लों के लिए संतति परीक्षण कार्यान्वित किया जाता है। वंशावली चयन कार्यक्रम के अंतर्गत गोपशुओं की राठी, थारपारकर, हरियाना और कांकरेज नस्लों, तथा भैंसों की जाफराबादी, नीली रवि, पंढरपुरी और बन्नी नस्लों को कवर किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पादित, रोग-मुक्त और उच्च आनुवंशिक गुणता वाले देशी नस्लों के सांडों को पूरे देश में स्थित सीमन केंद्रों को उपलब्ध कराया गया है। अब तक 4620 उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन किया जा चुका है और उन्हें सीमन उत्पादन हेतु सीमन केंद्रों को उपलब्ध कराया गया है।

(vi) देशी नस्लों के सीमन सहित सीमन उत्पादन में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से सीमन केंद्रों का सुदृढ़ीकरण। अब तक 48 सीमन केंद्रों को सुदृढ़ करने को स्वीकृति दी जा चुकी है।

(vii) इस योजना के अंतर्गत, किसानों में देशी बोवाइन नस्लों के महत्व के प्रति किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रजनन शिविर, दुग्ध उत्पादन प्रतियोगिताएं, बछड़ा-बछड़ी रैलियां, किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम, सेमिनार और कार्यशालाएं, सम्मेलन आदि आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा योजनाओं और उपायों को लागू करने के लिए किए गए समन्वित प्रयासों के कारण, पिछले 11 वर्षों में देश में दूध उत्पादन 69.41% बढ़ा है यह वर्ष 2014-15 के 146.3 मिलियन टन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 247.87 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। इसी अवधि के दौरान, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता में 52.03% की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2014-15 के 319 ग्राम प्रतिदिन से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 485 ग्राम प्रतिदिन हो गई है। वर्ष 2014-15 और वर्ष 2024-25 के बीच गोपशुओं और भैंसों की समग्र उत्पादकता में 36.63% से अधिक की वृद्धि हुई है, जो विश्व में उच्च उत्पादकता वृद्धि है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष (यानी 2025-26, अब तक) के दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के अंतर्गत जारी और उपयोग की गई निधि का राज्य-वार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है। योजना मांग आधारित है और राज्यवार आबंटन नहीं किया गया है।

अनुबंध-I

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM) के अंतर्गत जारी और उपयोग की गई निधि का राज्यवार विवरण

(लाख रुपये में)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वर्ष 2022-23		वर्ष 2023-24		वर्ष 2024-25		वर्ष 2025-26 (अब तक)	
	जारी की गई	उपयोग की गई	जारी की गई	उपयोग की गई	जारी की गई	उपयोग की गई*	जारी की गई	उपयोग की गई
आंध्र प्रदेश	1546	1546	3538.38	3538.38	3184.16	3184.16	1500	0.00
अरुणाचल प्रदेश	467.16	467.16	1965.31	1965.31	0	0	263.54	244.56
असम	3658.19	3658.19	723.25	723.25	2163.34	2163.34	810	810.00
बिहार	4928.63	4928.63	0.00	0.00	0	0	3000	1547.35
छत्तीसगढ	402	402	0.00	0.00	0	0	759.69	337.55
गोवा	0	0	0.00	0.00	0	0	0.00	0.00
गुजरात	2222.82	2222.82	6542.58	6542.58	2071.85	2071.85	7100.46	6350.64
हरियाणा	1173.66	1173.66	0.00	0.00	0	0	1185.25	265.39
हिमाचल प्रदेश	0	0	0.00	0.00	0	0	0.00	0.00
जम्मू एवं कश्मीर	2539.35	2539.35	0.00	0.00	6119.52	6119.52	1412.50	1363.96
झारखंड	1500	1500	0.00	0.00	1500	1500	1385.35	745.92
कर्नाटक	3562.48	3562.48	2651.31	2651.31	0	0	0.00	0.00
केरल	1284.12	1284.12	6546.27	6546.27	3697.74	3697.74	174.50	0.00
मध्य प्रदेश	9049.51	9049.51	4903	4903	0	0	1000	1000.00
महाराष्ट्र	0	0	3261.5	3261.5	1444.56	1444.56	600.31	229.58
मणिपुर	166.69	166.69	0.00	0.00	0	0	758.40	0.00
मेघालय	0	0	0.00	0.00	0	0	0.00	0.00
मिजोरम	138.69	138.69	847.37	847.37	0	0	0.00	0.00
नागालैंड	608.86	608.86	466.2	466.2	0	0	932.42	932.42
ओडिशा	1374.25	1374.25	0.00	0.00	1671.06	1671.06	895.54	695.54
पंजाब	232	232	0.00	0.00	0	0	697.88	401.17
राजस्थान	250	250	250	250	0	0	1970.07	1174.07
सिक्किम	572.42	572.42	1097.87	1097.87	0	0	639.98	639.98
तमिलनाडु	3347	3347	10996.1	10996.1	0	0	1525.72	0.00
तेलंगाना	0	0	3153.13	3153.13	0	0	995.18	0.00
त्रिपुरा	0	0	0.00	0.00	0	0	975.00	975.00
उत्तर प्रदेश	7671.25	7671.25	9642.18	9642.18	0	0	0.00	0.00
उत्तराखंड	1885.75	1885.75	6083	6083	0	0	576.36	573.30
पश्चिम बंगाल	2037.35	2037.35	6500	6500	0	0	1135.50	0
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0	0	0	0	0	0	0	0
चंडीगढ़	0	0	0	0	0	0	0	0
दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	0	0	0	0	0	0	0	0
लक्षद्वीप	0	0	0	0	0	0	0	0
लद्दाख	0	0	0.00	0.00	42	42	10.53	0
पुद्दुचेरी	0	0	0.00	0.00	213.41	213.41	50	0

* राज्यों द्वारा लौटाए गए असाइनमेंट सहि